दो_लब्जों_की_कहानी_या_आप_यू_कह_लो_मेरी_आ_सच्ची_प्रेम_कहानी

लब्जो ही लब्जो ही मे वो अपनी ही लब्ज कह जाती मरे अन्दर बस तुम्हारा प्यार रह जाता है |

बात उस समय की है जब मै क्लास 6 मे पढ़ रहा था मै अपने घर को छोड़ पढाई के लिए शहर को चला गया मै वाहा हॉस्टल मे रहेने लगा मन तो करता की इस हॉस्टल को छोड़ कर घर को भाग जाऊ पर क्या करता मजबूरी थी मै हॉस्टल नहीं छोड़ सकता था बाद मे हॉस्टल मे मन लाग्ने लगा ओर तो अब क्या अब तो हॉस्टल मे ही रहना था ओर जब कभी स्कूल बंद होता तो मे आपने घर को जाता और वाहा खूब मजे करता दसि्मबर खत्त्म होने को था मै अपने घर को एक बार फरि से छोड़ कर आपने हॉस्टल को चला गया अब स्कूल मे छुट्टी भी खत्त्म हो चुकी थी शायद मुझे ठीक से याद नहीं की जनवरी का ओ कोन सा तारकि था मैंने एक लड़की को देखा ओर देखता ही रह गया उस का चेहरा आज तक मेरी आखों मे है अब मै आगे की कहानी क्या काहू अब तो सारा दनि उसी की यादों मे रहता अब मे रोज हॉस्टल से स्कूल के लिए १ घंटे पहले ही नकिाल जाता क्यो की उस खास वजह थी की उसे देखन था मै तो उस से बात करना चाहता पर डरता था पर मै नहीं जनता था की वो मुझेसे बात करना चाहती है य नहीं उस दनि मै आपने हॉस्टल से स्कूल गया केमस्टिेरी के टीचर का कोई होमवर्क याद करना था या कॉपी मे फैयर करना था मुझे ठीक से याद नहीं क्या की मै भुलक्कर भी हु केमस्टिेरी के टीचर क्लास रूम मे आये ओर बोले चलो तुम लोग फैयर का कॉपी नकिाल लो हम सबों ने फैयर कॉपी नकिाल ली पर उस ने अपना कमस्टिेरी का कॉपी घर पे ही भुल गयी थी मुझा लगा की अब तो उसे टीचर से पटिाई लगेगी मेरा दलि नहीं मन रहा था टीचर ने उस से फैयर के लिए पूछा तो वह चुप सी हो गयी मै क्या करता मै आपने ही जगह पर खरे हो गया ओर बोल पारा लो तुम आफ्ना फैयर का कॉपी ले लो वह तो अब मुझे देखती ही रह गई टीचर ने बोला आगर तुम आफ्ना फैयर इस को दि थी तो बोल क्यो नहीं रही थी वह सकपका ते हुए बोली सर मुझे याद नहीं थी पर उस को बचाने के लिए मुझे मार पड़ी पर मै पहली वार मार खा के भी बहुत खुस था क्योकि ओ मार खाने बच गयी थी अब क्या था स्कूल मे छुट्टी हो चुकी थी पर मै आपने दोस्तो के साथ खेल रहा था पर हॉस्टल के छात्र को छोड़ बाकी के सभी आपने घर को चले गये थे पर ये क्या ओ तो स्कूल के कैम्पस के अंदर ही थी और रो रही थी मेरी नजर उस पे पड़ी मै एक दम से दंग रह गया मै नै उस से पूछा क्यो रो रही हो तो उस ने मुझ से झूठ कह दयिा की उस के पैरो मै चोट लग गई है मै आपने आप को रोक न सका ओर बोल क्या तुम आफ्ना खयिाल नहीं रख सकती यही मारी सब से बाड़ी भूल कहो या मेरा पागल पन उस ने मुझेसे कहा शायद तुम पागल हो मैंने बोला चलो मै तुम्हें स्कूल के बाहर छोड़ देता हु जब मै उसको स्कूल से बाहर को छोड़ने जा रहा था अब हम दोनों स्कूल के कैम्पस से बाहर थे वह मुझे बाय कह के जाने लगी तो मुझे लाग्ने लगा की मेरा मुझे कोई छुट रहा है मेरा दलि तड़प पड़ा मेरे मुख से नकिाल पड़ा प्लीज कम बॅक माई लाइफ डीयर शायद उसने सुन ली ओर बोली प्लीज जाने दो न मैंने बोला ठीक से जाना तो उस ने बोली ठीक है बाबा मै ठीक से ही जाऊगी तुम भी अपना ख्हयिल रखना हम लोग भी स्कूल से हॉस्टल को चले गए पर उस का चेहरा मेरी आखों के सामने था फरि हम दोनों की मुलाक़ात स्कूल मै ही हुई हम लोगो का ३ घंटी या आप यू कह लो ३ क्लास ३ घंटी कोई टीचर नहीं आये उस ने कहा तुम्हें मेरी वजह से मर पड़ी इतना कह के फरि से ओ रोने लगी मै उसे कसिी तरह चुप करा दयिा पर ओ इस बात को भूल नहीं मे क्या करता क्लासरूम मे कोई नहीं था मे उसे मैंने कहा चलो ज़ीरो कट्टो खेलते है वह मान गई हम दोनों एक दूसरे को काफी अच्छी तरह से जन गये हम दोनों की बीच दनि प्रतदिनि प्यार बढ़ता जा रहा था |

पर आचनक कुछ ऐसा हुआ की मुझे हॉस्टल छोड़ना पड़ा ओर मै आपने घर को चला आया मै उसे बाय भी नहीं बोल पाया |
मै उसका नाम तो भूल गया पर उसका चेहरा नहीं भुला पाया हु |
वही खुली हुई बाल आखों पे चस्मा आज तक मै उस लड़की को नहीं भूल पाया हु न ही उस लड़की को भूल पाऊगा |
उस समय मै क्लास ६ मे पढ़ रहा था ओर मै क्लास बी.ए पढ रहाहु
ज़न्दिगी मे ज़दिा रहने के लयि कसिी की याद ही काफी है कसिी से प्यार करो न की उसे बदनाम करो

मै राहे देखूगा कब मै उस मलि पाउगा पता नहीं ओ मलि भी पयेगी या नहीं
WRITEN BY STORY
BAIJU SINGH RATHOUR

rdxbaijusinghrathour@gmail.com